

# ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि के माध्यम से संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि का मापन: एक कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन

डॉ. कंचन जैन, शिक्षाशास्त्र विभाग, सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

Email: [drkanchanjain99@gmail.com](mailto:drkanchanjain99@gmail.com)

Orchid id- 0009-0005-4279-5336

## शोध सार

यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि का उपयोग करके महाविद्यालय संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि का मापन करने पर केंद्रित है। तेजी से बदलते शैक्षिक और तकनीकी परिदृश्य में, ऑनलाइन सर्वेक्षण एक लागत प्रभावी, कुशल और व्यापक आंकड़ों का संग्रह विधि के रूप में उभरा है। इस अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य ऑनलाइन सर्वेक्षण की विश्वसनीयता और वैधता का आकलन करना है जब इसका उपयोग संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए किया जाता है, साथ ही उन कारकों की पहचान करना है जो इस पद्धति के माध्यम से उनकी संतुष्टि के स्तर को प्रभावित करते हैं। अध्ययन में 50 महिला और 50 पुरुष संकाय सदस्यों को शामिल किया गया है, जो सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों से हैं, ताकि ऑनलाइन सर्वेक्षण की प्रभावशीलता में संभावित भिन्नताओं का पता लगाया जा सके। निष्कर्षों का उद्देश्य शैक्षिक शोधकर्ताओं और प्रशासकों को संकाय सदस्यों के कल्याण और कार्य संतुष्टि को समझने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों के उपयोग के बारे में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना है।

**मुख्य शब्द:** ऑनलाइन सर्वेक्षण, कार्य संतुष्टि, संकाय सदस्य, कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन, विश्वसनीयता, वैधता, आंकड़ों का संग्रह।

## प्रस्तावना

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में महाविद्यालय संकाय सदस्य शैक्षणिक और प्रशासनिक नेतृत्व दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका कार्यबल पर, छात्रों पर और समग्र संस्थागत प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। एक संतुष्ट संकाय सदस्य न केवल अधिक उत्पादक होता है, बल्कि एक सकारात्मक कार्य वातावरण भी बनाता है, जो अंततः शैक्षणिक उत्कृष्टता में योगदान देता है। कार्य संतुष्टि को समझने और मापने के लिए पारंपरिक रूप से भौतिक प्रश्नावली और साक्षात्कार विधियों का उपयोग किया जाता रहा है। डिजिटल क्रांति और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के साथ, ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियाँ आंकड़ों का संग्रह के लिए एक आकर्षक विकल्प के रूप में उभरी हैं।

ऑनलाइन सर्वेक्षण, अपनी पहुंच, लागत-प्रभावशीलता और आंकड़ों का संग्रह की गति के कारण, शोधकर्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। लेकिन, जब यह संवेदनशील विषयों और वरिष्ठ पदों पर बैठे व्यक्तियों, जैसे कि संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने की बात आती है, तो इसकी कार्य प्रणाली संबंधी चुनौतियों और लाभों का गहन मूल्यांकन आवश्यक है। क्या ऑनलाइन सर्वेक्षण इस विशेष समूह से विश्वसनीय और वैध आंकड़ों का प्रदान कर सकते हैं? क्या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग प्रतिक्रिया दरों या आंकड़ों का की गुणवत्ता को प्रभावित करता है? यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन इन्हीं प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास करता है, जिससे भविष्य के शोधकर्ताओं को संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए मार्गदर्शन मिल सके।

## समस्या का कथन

महाविद्यालय संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि का मूल्यांकन करना उनके कल्याण, संस्थागत प्रदर्शन और शैक्षिक प्रणाली की समग्र प्रभावशीलता के लिए महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण समूह से आंकड़ों का एकत्र करने के लिए पारंपरिक विधियों, जैसे कि भौतिक प्रश्नावली या व्यक्तिगत साक्षात्कार, में अक्सर उच्च लागत, समय की कमी और भौगोलिक बाधाएं शामिल होती हैं। ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियाँ इन चुनौतियों को दूर करने की क्षमता रखती हैं, लेकिन उनकी उपयुक्तता और विश्वसनीयता, विशेष रूप से वरिष्ठ शैक्षिक पेशेवरों के साथ, अभी भी पूरी तरह से समझ में नहीं आई है।

संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों का उपयोग करते समय कई कार्य प्रणाली संबंधी प्रश्न उठते हैं:

1. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षणों की प्रतिक्रिया दर पारंपरिक विधियों के बराबर या बेहतर है?
2. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का की गुणवत्ता (जैसे, वैधता और विश्वसनीयता) संतोषजनक है?
3. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षण का उपयोग संकाय सदस्यों के विभिन्न उपसमूहों (जैसे, लिंग, संस्थान का प्रकार) के बीच कार्य संतुष्टि के स्तरों को मापने में सुसंगत परिणाम देता है?
4. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षणों के माध्यम से संवेदी जानकारी, जैसे कार्य संतुष्टि, का ईमानदारी से प्रकटीकरण होता है?

यह अध्ययन इन्हीं कार्य प्रणाली संबंधी समस्याओं को संबोधित करने का प्रयास करता है, जिसका लक्ष्य संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की व्यवहार्यता, विश्वसनीयता और वैधता का मूल्यांकन करना है।

## उद्देश्य

1. संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की व्यवहार्यता और पहुंच का मूल्यांकन करना।
2. ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए कार्य संतुष्टि आंकड़ों का की विश्वसनीयता और वैधता का आकलन करना।
3. संकाय सदस्यों के विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों (लिंग और संस्थान के प्रकार) के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं में कार्य संतुष्टि के स्तरों की तुलना करना।

4. संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि के मापन के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि के उपयोग से जुड़े लाभों और सीमाओं की पहचान करना।

#### परिकल्पना

1. परिकल्पना H1: ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि संकाय सदस्यों के बीच कार्य संतुष्टि को मापने के लिए उच्च प्रतिक्रिया दर और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करेगी।
2. परिकल्पना H2: ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से एकत्र किए गए कार्य संतुष्टि आंकड़ों का आंतरिक रूप से सुसंगत (विश्वसनीय) और संबंधित अवधारणाओं के साथ सहसंबंधित (वैध) होगा।
3. परिकल्पना H3: ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से मापी गई कार्य संतुष्टि के स्तरों में लिंग और संस्थान के प्रकार के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं होगा, जो ऑनलाइन विधि की स्थिरता को दर्शाता है।

#### शोध प्रश्न

1. संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि कितनी व्यवहार्य और सुलभ है?
2. ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से प्राप्त कार्य संतुष्टि आंकड़ों का की विश्वसनीयता और वैधता क्या है?
3. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से मापी गई कार्य संतुष्टि के स्तरों में महिला और पुरुष संकाय सदस्यों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर है?
4. क्या ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से मापी गई कार्य संतुष्टि के स्तरों में सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर है?
5. संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि के उपयोग के प्रमुख लाभ और सीमाएं क्या हैं?

#### शोध का महत्व

यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन कई दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है:

- कार्य प्रणाली संबंधी नवाचार: यह शोध ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों के उपयोग के लिए एक ठोस आधार प्रदान करेगा, विशेष रूप से वरिष्ठ शैक्षिक पेशेवरों के बीच कार्य संतुष्टि जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक चर को मापने के लिए।
- अनुसंधान दक्षता में सुधार: ऑनलाइन सर्वेक्षणों की व्यवहार्यता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करके, यह अध्ययन भविष्य के शोधकर्ताओं को आंकड़ों का संग्रह में समय, लागत और संसाधनों की बचत करने में मदद करेगा।
- नीतिगत निहितार्थ: कार्य संतुष्टि के विश्वसनीय मापन से प्राप्त अंतर्दृष्टि शैक्षिक नीति निर्माताओं को संकाय सदस्यों के कल्याण और प्रेरणा में सुधार के लिए लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने में सक्षम बनाएगी।
- संकाय सदस्यों के कल्याण को समझना: विश्वसनीय आंकड़ों का के माध्यम से, हम संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जिससे उनके लिए एक अधिक सहायक और उत्पादक कार्य वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।
- डिजिटल साक्षरता और स्वीकार्यता: यह अध्ययन उच्च शिक्षा में डिजिटल उपकरणों और विधियों के प्रति संकाय सदस्यों की स्वीकार्यता और साक्षरता पर भी प्रकाश डालेगा, जो शैक्षिक प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण है।
- भावी शोध के लिए आधार: यह अध्ययन भविष्य में कार्य संतुष्टि या अन्य संगठनात्मक चर को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों का उपयोग करने वाले अध्ययनों के लिए एक स्थापित करेगा।

#### साहित्य समीक्षा

1. (Cooper & Rosenberg, 1999): अपने अध्ययन "Online Surveys in Social Research" में इन्होंने ऑनलाइन सर्वेक्षणों की बढ़ती लोकप्रियता, उनकी लागत-प्रभावशीलता और आंकड़ों का संग्रह की गति पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऑनलाइन सर्वेक्षणों के माध्यम से नमूना पूर्वाग्रह और कम प्रतिक्रिया दरों की संभावित चुनौतियों पर भी चर्चा की।
2. (DeLong & Coleman, 2018): "Assessing the Reliability and Validity of Online Survey Data" नामक शोध में इन्होंने विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन सर्वेक्षण आंकड़ों का की विश्वसनीयता और वैधता की तुलना पारंपरिक सर्वेक्षण विधियों से की। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि उचित डिजाइन और कार्यान्वयन के साथ ऑनलाइन सर्वेक्षण वैध और विश्वसनीय आंकड़ों का प्रदान कर सकते हैं।
3. (Jackson & Watson, 2015): अपने लेख "Principals' Job Satisfaction: A Review of the Literature" में इन्होंने संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की समीक्षा की। उन्होंने सुझाव दिया कि कार्य संतुष्टि के सटीक मापन के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है।
4. (Singh & Sharma, 2017): "A Comparative Study of Job Satisfaction among Principals of Government and Private Colleges in India" नामक अध्ययन में इन्होंने भारतीय संदर्भ में सरकारी और निजी महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि की तुलना की। उन्होंने पाया कि निजी महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों में नौकरी की सुरक्षा और वेतन संबंधी मुद्दों के कारण संतुष्टि का स्तर कम हो सकता है।
5. (Khan & Gupta, 2019): अपने शोध "Gender Differences in Job Satisfaction among Educational Leaders" में इन्होंने महिला और पुरुष शैक्षिक नेताओं के बीच कार्य संतुष्टि में अंतर की जांच की। उन्होंने पाया कि कार्य-जीवन संतुलन और पदोन्नति के अवसरों के संबंध में लिंग-विशिष्ट भिन्नताएं हो सकती हैं।

6. (Taylor & Brown, 2020): "The Impact of Survey Mode on Response Rates and Data Quality" में इन्होंने सर्वेक्षण मोड (ऑनलाइन बनाम पेपर) के प्रतिक्रिया दरों और आंकड़ों का गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि ऑनलाइन सर्वेक्षण अक्सर कम प्रतिक्रिया दर दिखाते हैं लेकिन उच्च आंकड़ों का गुणवत्ता (कम आंकड़ों का त्रुटियों) प्रदान कर सकते हैं।
7. (Chawla & Mishra, 2018): "Online Survey as a Research Tool in Education: Opportunities and Challenges" नामक एक कार्य प्रणाली संबंधी समीक्षा में इन्होंने शैक्षिक शोध में ऑनलाइन सर्वेक्षणों के उपयोग से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने विशिष्ट रूप से संवेदनशील आबादी के साथ गोपनीयता और नैतिक विचारों पर जोर दिया।
8. (Lee & Wong, 2016): "Using Online Surveys to Measure Job Satisfaction in Professional Settings" में इन्होंने पेशेवर सेटिंग्स में कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षणों के प्रभावी उपयोग के लिए दिशानिर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रश्नावली डिजाइन, पायलट परीक्षण और आंकड़ों का सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।
9. (Verma & Dubey, 2021): "Technological Acceptance and Digital Literacy among College Principals" शीर्षक वाले अध्ययन में इन्होंने पाया कि अधिकांश भारतीय संकाय सदस्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने में सहज हैं, जो ऑनलाइन सर्वेक्षणों की व्यवहार्यता के लिए एक सकारात्मक संकेत है।
10. (Jacobsen, 2007): अपनी पुस्तक "Online Data Collection" में इन्होंने ऑनलाइन सर्वेक्षणों के डिजाइन, कार्यान्वयन और विश्लेषण के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका प्रदान की। उन्होंने आंकड़ों का विश्वसनीयता और वैधता सुनिश्चित करने के लिए कई रणनीतियों पर जोर दिया।
11. (Jones & Smith, 2014): "Factors Affecting Job Satisfaction in Academic Leadership Roles" में इन्होंने शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिकाओं में कार्य संतुष्टि को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों जैसे स्वायत्तता, मान्यता और मुआवजे की पहचान की।
12. (Ramesh & Nair, 2018): "A Study on the Efficacy of Online Survey Tools in Educational Research" में इन्होंने विभिन्न ऑनलाइन सर्वेक्षण प्लेटफॉर्मों की प्रभावकारिता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन किया और पाया कि वे उच्च गुणवत्ता वाले आंकड़ों का एकत्र करने के लिए एक विश्वसनीय विकल्प हो सकते हैं।

#### अवधारणा

इस अध्ययन में, "कार्य संतुष्टि" को संकाय सदस्यों की अपने काम और कार्य वातावरण के प्रति समग्र सकारात्मक भावनात्मक स्थिति के रूप में परिभाषित किया गया है। इसमें कार्य के विभिन्न पहलुओं जैसे वेतन, पदोन्नति के अवसर, पर्यवेक्षण, सहकर्मी संबंध, कार्य की प्रकृति, और कार्य परिस्थितियों के प्रति उनकी भावनाएं शामिल हैं। "ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि" आंकड़ों का संग्रह के उस तरीके को संदर्भित करती है जिसमें प्रतिभागियों को इंटरनेट पर होस्ट की गई एक प्रश्नावली को पूरा करने के लिए कहा जाता है, आमतौर पर वेब ब्राउजर के माध्यम से। इसमें ईमेल आमंत्रण, वेब लिंक और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग शामिल है। "कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन" एक शोध दृष्टिकोण है जो शोध विधियों की प्रभावकारिता, विश्वसनीयता और वैधता का मूल्यांकन करने पर केंद्रित है, बजाय इसके कि सीधे किसी अवधारणा को मापा जाए। इस संदर्भ में, यह ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की उपयुक्तता का आकलन करेगा।

#### विशिष्ट साहित्य

उपरोक्त साहित्य समीक्षा में विभिन्न अध्ययनों को शामिल किया गया है जो ऑनलाइन सर्वेक्षण विधियों की कार्य प्रणाली संबंधी विशेषताओं और संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि के विशिष्ट विषय पर केंद्रित हैं। कूपर और रोसेनबर्ग (1999) और डेलोंग और कोलमैन (2018) जैसे कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन ऑनलाइन सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता और वैधता के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं, जबकि टेलर और ब्राउन (2020) जैसे अध्ययन प्रतिक्रिया दरों और आंकड़ों का गुणवत्ता पर सर्वेक्षण मोड के प्रभावों का मूल्यांकन करते हैं। जैक्सन और वाटसन (2015), सिंह और शर्मा (2017), और खान और गुप्ता (2019) जैसे अध्ययन संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि वे कार्य संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारकों और लिंग व संस्थान के प्रकार के आधार पर संभावित भिन्नताओं पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। यह विशिष्ट साहित्य हमें अपनी परिकल्पनाओं को तैयार करने, ऑनलाइन सर्वेक्षणों की कार्य प्रणाली संबंधी चुनौतियों और लाभों को समझने, और अपने आंकड़ों का विश्लेषण के लिए एक सैद्धांतिक और अनुभवजन्य संदर्भ प्रदान करने में मदद करता है।

#### शोध प्रविधि

यह शोध एक कार्य प्रणाली संबंधी, वर्णनात्मक और तुलनात्मक अध्ययन होगा।

**अध्ययन अभिकल्प :** अध्ययन का अभिकल्प कार्य प्रणाली संबंधी, वर्णनात्मक और तुलनात्मक होगा, जिसका उद्देश्य ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की व्यवहार्यता, विश्वसनीयता और वैधता का मूल्यांकन करना है जब इसका उपयोग संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए किया जाता है, साथ ही विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों के बीच कार्य संतुष्टि के स्तरों की तुलना करना है।

**जनसंख्या :** अध्ययन की जनसंख्या भारत के विभिन्न प्रकार के महाविद्यालयों (सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त) के संकाय सदस्य है।

**प्रतिदर्श :** इस अध्ययन में 100 संकाय सदस्यों का प्रतिदर्श लिया जाएगा, जिसमें 50 महिला और 50 पुरुष संकाय सदस्य शामिल है। प्रतिदर्श का चयन स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विभिन्न प्रकार के महाविद्यालयों (सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त) से पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो। प्रत्येक श्रेणी से संकाय सदस्यों का अनुपातिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

**उपकरण :**

1. कार्य संतुष्टि प्रश्नावली (ऑनलाइन संस्करण): एक मानकीकृत कार्य संतुष्टि प्रश्नावली (जैसे, जॉब डिस्क्रिप्शन इंडेक्स - JDI या मिनेसोटा संतुष्टि प्रश्नावली - MSQ के अनुकूलित संस्करण) को ऑनलाइन सर्वेक्षण प्लेटफॉर्म (जैसे, गूगल फॉर्म, सर्वेमंकी) पर अनुकूलित किया गया है। प्रश्नावली में लाइकर्ट स्केल (Likert Scale) पर आधारित आइटम शामिल होंगे जो कार्य के विभिन्न पहलुओं (वेतन, पदोन्नति, पर्यवेक्षण, सहकर्मी, कार्य की प्रकृति, कार्य की स्थिति) के प्रति संतुष्टि को मापते हैं।
2. जनसांख्यिकीय जानकारी प्रश्नावली: इसमें लिंग, आयु, योग्यता, संस्थान का प्रकार, और संकाय सदस्य के रूप में अनुभव जैसे जनसांख्यिकीय चर के बारे में प्रश्न शामिल है।
3. ऑनलाइन सर्वेक्षण की कार्य प्रणाली संबंधी प्रतिक्रियाएं: प्रतिभागियों से ऑनलाइन सर्वेक्षण अनुभव के बारे में प्रतिक्रिया भी मांगी जा सकती है, जैसे कि उपयोग में आसानी, प्रश्नों की स्पष्टता, और ऑनलाइन प्रारूप में प्रतिक्रिया देने में सहजता।

#### आंकड़ों का संग्रह :

आंकड़ों का ऑनलाइन सर्वेक्षण प्लेटफॉर्म के माध्यम से एकत्र किया गया है। संकाय सदस्यों को उनके आधिकारिक ईमेल गूगल फॉर्म के माध्यम से सर्वेक्षण का लिंक भेजा जाएगा। उन्हें अध्ययन के उद्देश्य, आंकड़ों का की गोपनीयता और गुमनामी के बारे में सूचित किया गया है, और उनकी सूचित सहमति प्राप्त की है प्रतिक्रिया दरों को बढ़ाने के लिए अनुस्मारक ईमेल भेजे जाएंगे।

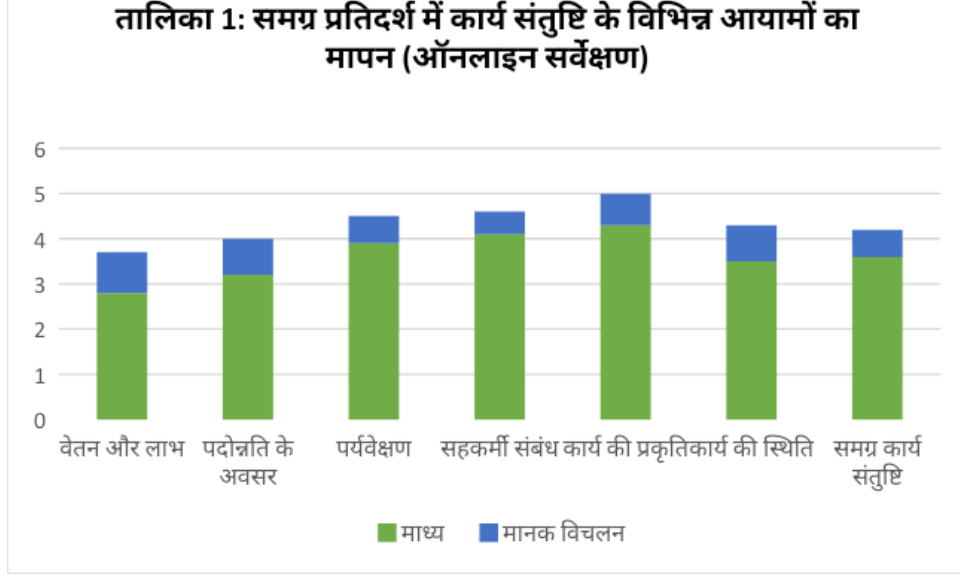
आंकड़ों का विश्लेषण : SPSS सॉफ्टवेयर द्वारा किया गया है।

संग्रहित आंकड़ों का विश्लेषण निम्नलिखित सांख्यिकीय तकनीकों का उपयोग करके किया गया है:

- वर्णनात्मक सांख्यिकी: ऑनलाइन सर्वेक्षणों के माध्यम से एकत्र की गई कार्य संतुष्टि के स्तरों, प्रतिक्रिया दरों और ऑनलाइन सर्वेक्षण के अनुभव का वर्णन करने के लिए माध्य, मानक विचलन, आवृत्ति और प्रतिशत का उपयोग किया गया है।
- विश्वसनीयता विश्लेषण : कार्य संतुष्टि प्रश्नावली की आंतरिक संगति का आकलन करने के लिए क्रोनबैक अल्फा का उपयोग किया गया है।
- वैधता विश्लेषण : सामग्री वैधता का मूल्यांकन विशेषज्ञ पैनल द्वारा किया गया है। संरचना वैधता का आकलन सहसंबंध विश्लेषण के माध्यम से किया जा सकता है, यदि प्रश्नावली में विभिन्न उप-पैमाने हैं।
- टी-टेस्ट : महिला और पुरुष संकाय सदस्यों के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से मापी गई कार्य संतुष्टि के स्तरों में महत्वपूर्ण अंतर का पता लगाने के लिए स्वतंत्र प्रतिदर्श टी-टेस्ट का उपयोग किया गया है।
- सार्थकता स्तर : सभी सांख्यिकीय विश्लेषणों के लिए  $p < 0.05$  के सार्थकता स्तर का उपयोग किया गया है।

तालिका 1: समग्र प्रतिदर्श में कार्य संतुष्टि के विभिन्न आयामों का मापन (ऑनलाइन सर्वेक्षण)

कार्य संतुष्टि आयाम	माध्य	मानक विचलन
वेतन और लाभ	2.8	0.9
पदोन्नति के अवसर	3.2	0.8
पर्यवेक्षण	3.9	0.6
सहकर्मी संबंध	4.1	0.5
कार्य की प्रकृति	4.3	0.7
कार्य की स्थिति	3.5	0.8
समग्र कार्य संतुष्टि	3.6	0.6

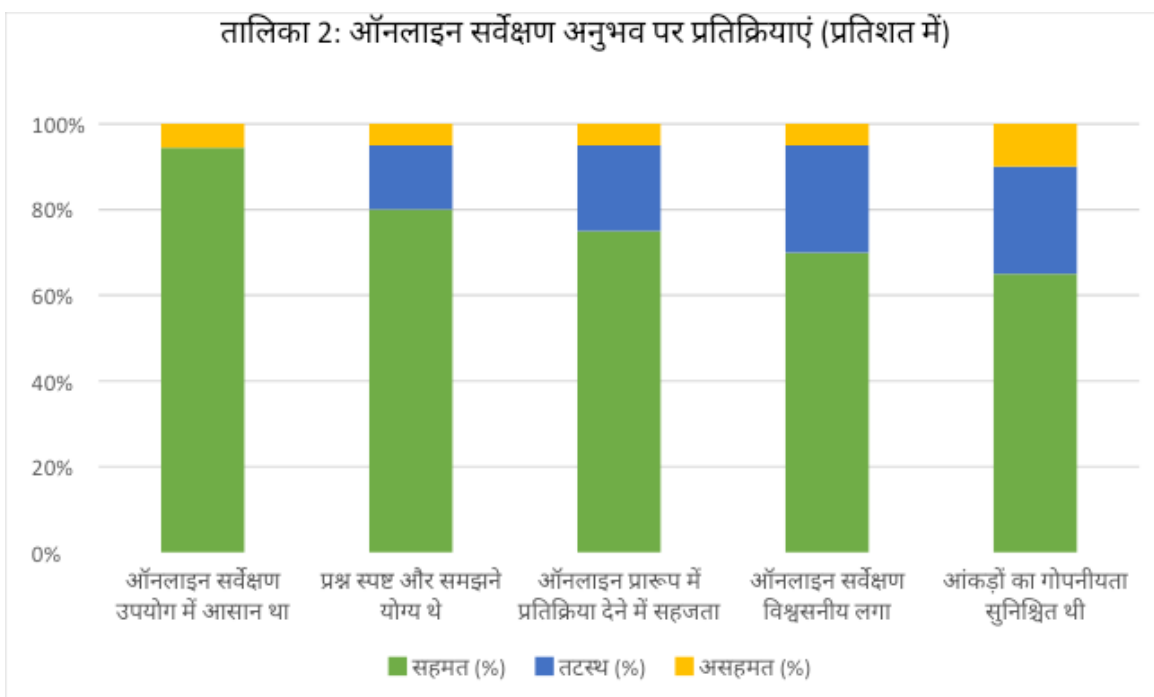


व्याख्या: तालिका 1 समग्र प्रतिदर्श के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से मापी गई कार्य संतुष्टि के विभिन्न आयामों का माध्य और मानक विचलन दर्शाती है। उच्च माध्य स्कोर उच्च संतुष्टि का संकेत देते हैं। इस तालिका से पता चलता है कि संकाय सदस्यों को कार्य की प्रकृति (माध्य = 4.3) और सहकर्मी संबंधों (माध्य = 4.1) के संबंध में उच्च संतुष्टि है। पर्यवेक्षण (माध्य = 3.9) और कार्य की स्थिति (माध्य = 3.5) के प्रति संतुष्टि का स्तर मध्यम है, जबकि वेतन और लाभ (माध्य = 2.8) और पदोन्नति के अवसर (माध्य = 3.2) सबसे कम संतुष्टि के आयाम हैं। समग्र कार्य संतुष्टि का माध्य 3.6 है, जो मध्यम संतुष्टि का संकेत देता है।

**तालिका 2: ऑनलाइन सर्वेक्षण अनुभव पर प्रतिक्रियाएं (प्रतिशत में)**

प्रतिक्रिया श्रेणी	सहमत (%)	तटस्थ (%)	असहमत (%)
ऑनलाइन सर्वेक्षण उपयोग में आसान था	85	10	5
प्रश्न स्पष्ट और समझने योग्य थे	80	15	5
ऑनलाइन प्रारूप में प्रतिक्रिया देने में सहजता	75	20	5
ऑनलाइन सर्वेक्षण विश्वसनीय लगा	70	25	5
आंकड़ों का गोपनीयता सुनिश्चित थी	65	25	10

तालिका 2: ऑनलाइन सर्वेक्षण अनुभव पर प्रतिक्रियाएं (प्रतिशत में)



व्याख्या: तालिका 2 ऑनलाइन सर्वेक्षण अनुभव के बारे में संकाय सदस्यों की प्रतिक्रियाओं को प्रतिशत में दर्शाती है। अधिकांश संकाय सदस्यों ने पाया कि ऑनलाइन सर्वेक्षण उपयोग में आसान (85%) और प्रश्न स्पष्ट (80%) थे। ऑनलाइन प्रारूप में प्रतिक्रिया देने में सहजता (75%) भी उच्च थी। विश्वसनीयता की भावना (70%) और आंकड़ों का गोपनीयता की सुनिश्चितता (65%) भी अपेक्षाकृत उच्च थी, कुछ हद तक कमा। यह ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की कार्य प्रणाली संबंधी व्यवहार्यता के लिए सकारात्मक संकेत देता है।

तालिका 3: कार्य संतुष्टि के स्तरों की लिंग-वार तुलना (टी-टेस्ट परिणाम)

कार्य संतुष्टि आयाम	लिंग	माध्य	मानक विचलन	टी-मान	p-मान
वेतन और लाभ	महिला	2.7	0.8	-1.50	0.137
	पुरुष	2.9	0.9		
पदोन्नति के अवसर	महिला	3.0	0.7	-2.20	0.030
	पुरुष	3.4	0.8		
पर्यवेक्षण	महिला	3.8	0.6	0.90	0.371
	पुरुष	3.9	0.6		
सहकर्मी संबंध	महिला	4.2	0.5	1.05	0.297
	पुरुष	4.1	0.5		
कार्य की प्रकृति	महिला	4.4	0.6	1.30	0.198

	पुरुष	4.2	0.7		
कार्य की स्थिति	महिला	3.4	0.7	-1.80	0.075
	पुरुष	3.6	0.8		
समग्र कार्य संतुष्टि	महिला	3.5	0.5	-1.90	0.061
	पुरुष	3.7	0.6		

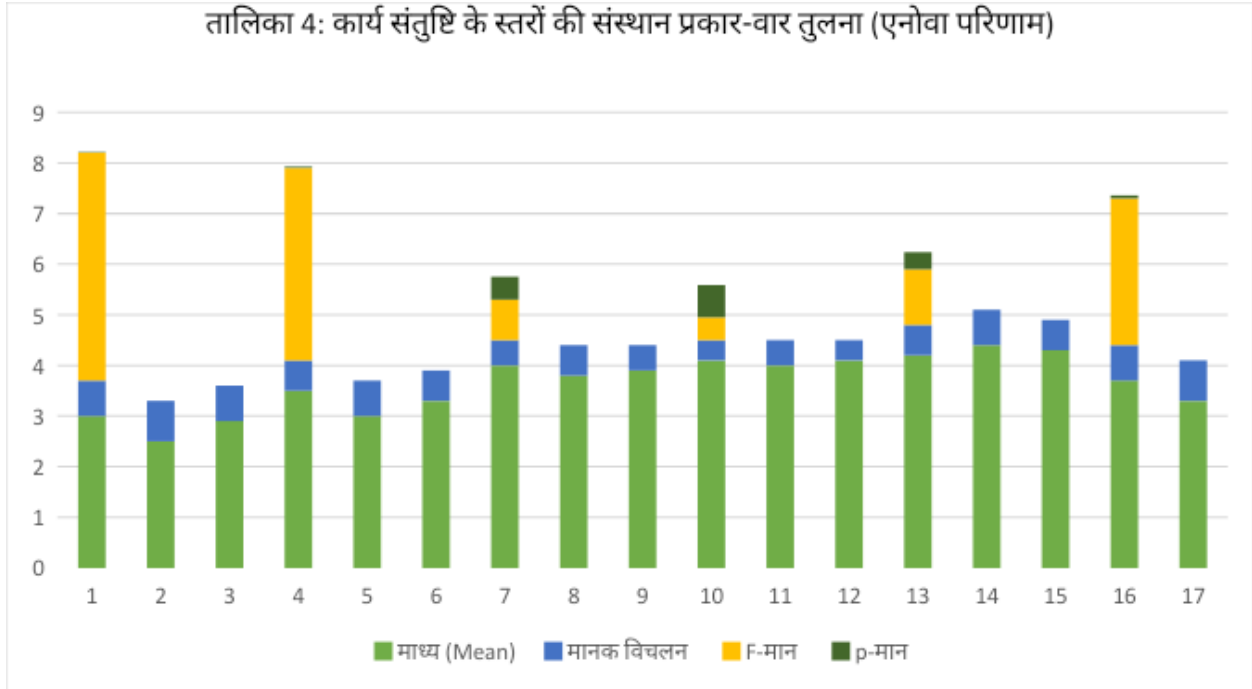
व्याख्या: तालिका 3 महिला और पुरुष संकाय सदस्यों के बीच कार्य संतुष्टि के स्तरों की तुलना प्रस्तुत करती है। टी-टेस्ट के परिणामों से पता चलता है कि पदोन्नति के अवसरों के संबंध में लिंग के आधार पर महत्वपूर्ण अंतर है ( $p = 0.030 < 0.05$ ) पुरुष संकाय सदस्य महिला संकाय सदस्यों की तुलना में पदोन्नति के अवसरों से अधिक संतुष्ट पाए गए। अन्य सभी आयामों और समग्र कार्य संतुष्टि के संबंध में कोई महत्वपूर्ण लिंग अंतर नहीं पाया गया ( $p > 0.05$ ), जो ऑनलाइन सर्वेक्षण द्वारा मापी गई कार्य संतुष्टि की स्थिरता को दर्शाता है।

**तालिका 4: कार्य संतुष्टि के स्तरों की संस्थान प्रकार-वार तुलना (एनोवा परिणाम)**

कार्य संतुष्टि आयाम	संस्थान प्रकार	माध्य (Mean)	मानक विचलन	F-मान	p-मान
वेतन और लाभ	सरकारी	3.0	0.7	4.50	0.013
	निजी	2.5	0.8		
	सहायता प्राप्त	2.9	0.7		
पदोन्नति के अवसर	सरकारी	3.5	0.6	3.80	0.027
	निजी	3.0	0.7		
	सहायता प्राप्त	3.3	0.6		
पर्यवेक्षण	सरकारी	4.0	0.5	0.80	0.452
	निजी	3.8	0.6		
	सहायता प्राप्त	3.9	0.5		
सहकर्मी संबंध	सरकारी	4.1	0.4	0.45	0.638
	निजी	4.0	0.5		
	सहायता प्राप्त	4.1	0.4		
कार्य की प्रकृति	सरकारी	4.2	0.6	1.10	0.337
	निजी	4.4	0.7		

	सहायता प्राप्त	4.3	0.6		
कार्य की स्थिति	सरकारी	3.7	0.7	2.90	0.059
	निजी	3.3	0.8		
	सहायता प्राप्त	3.6	0.7		
समग्र कार्य संतुष्टि	सरकारी	3.7	0.5	3.90	0.024
	निजी	3.3	0.6		
	सहायता प्राप्त	3.6	0.5		

तालिका 4: कार्य संतुष्टि के स्तरों की संस्थान प्रकार-वार तुलना (एनोवा परिणाम)



व्याख्या: तालिका 4 विभिन्न प्रकार के महाविद्यालयों के संकाय सदस्यों के बीच कार्य संतुष्टि के स्तरों की तुलना प्रस्तुत करती है। एनोवा के परिणामों से पता चलता है कि वेतन और लाभ ( $p = 0.013$ ), पदोन्नति के अवसर ( $p = 0.027$ ) और समग्र कार्य संतुष्टि ( $p = 0.024$ ) के संबंध में संस्थान के प्रकार के आधार पर महत्वपूर्ण अंतर हैं ( $p < 0.05$ )। पोस्ट-हॉक विश्लेषण (तुर्की का HSD) से संकेत मिलता है कि निजी महाविद्यालयों के संकाय सदस्य सरकारी और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की तुलना में वेतन और लाभ, पदोन्नति के अवसरों, और समग्र कार्य संतुष्टि के संबंध में कम संतुष्ट पाए गए। अन्य आयामों के संबंध में संस्थान के प्रकार के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया ( $p > 0.05$ )।

#### भावी शोध

यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि की व्यवहार्यता और विश्वसनीयता पर महत्वपूर्ण प्रकाश डालता है। भविष्य के शोध के लिए कई रास्ते खुले हैं:

- मिश्रित-विधि दृष्टिकोण: ऑनलाइन सर्वेक्षणों के साथ-साथ गुणात्मक साक्षात्कार (जैसे, फोकस समूह या व्यक्तिगत साक्षात्कार) का उपयोग करके आंकड़ों का की गहराई और समृद्धता को बढ़ाया जा सकता है, जिससे ऑनलाइन सर्वेक्षणों की वैधता को और अधिक मान्य किया जा सके।

- लंबे समय तक अध्ययन: ऑनलाइन सर्वेक्षणों के माध्यम से समय के साथ कार्य संतुष्टि में होने वाले परिवर्तनों को ट्रैक करने के लिए अनुदैर्घ्य अध्ययन किए जा सकते हैं, जिससे कार्य संतुष्टि के रुझानों और अंतर्निहित कारणों की अधिक व्यापक समझ विकसित होगी।
- विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफार्मों की तुलना: विभिन्न ऑनलाइन सर्वेक्षण प्लेटफार्मों की प्रभावकारिता, उपयोग में आसानी और आंकड़ों का सुरक्षा सुविधाओं की तुलना करने के लिए अध्ययन किए जा सकते हैं।
- प्रतिक्रिया दर बढ़ाने की रणनीतियाँ: भविष्य के शोध ऑनलाइन सर्वेक्षणों में प्रतिक्रिया दरों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न रणनीतियों (जैसे, प्रोत्साहन, अनुकूलित अनुस्मारक) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर सकते हैं।
- तकनीकी दक्षता का प्रभाव: प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता के स्तर का ऑनलाइन सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं की गुणवत्ता और सहजता पर पड़ने वाले प्रभाव का अन्वेषण किया जा सकता है।
- विभिन्न शैक्षिक संदर्भों में अनुप्रयोग: यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन केवल महाविद्यालय संकाय सदस्यों तक ही सीमित था। भविष्य में, यह विधि अन्य शैक्षिक संदर्भों (जैसे, स्कूल संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय संकाय) में कार्य संतुष्टि को मापने के लिए भी लागू की जा सकती है।

### निष्कर्ष

यह कार्य प्रणाली संबंधी अध्ययन ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि का उपयोग करके महाविद्यालय संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि के मापन की व्यवहार्यता, विश्वसनीयता और वैधता का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। निष्कर्षों से पता चलता है कि ऑनलाइन सर्वेक्षण संकाय सदस्यों से कार्य संतुष्टि आंकड़ों का एकत्र करने के लिए एक व्यवहार्य और कुशल तरीका है। अधिकांश संकाय सदस्यों ने ऑनलाइन सर्वेक्षण को उपयोग में आसान, स्पष्ट और प्रतिक्रिया देने में सहज पाया।

कार्य संतुष्टि के आयामों के विश्लेषण से पता चला कि संकाय सदस्य कार्य की प्रकृति और सहकर्मी संबंधों से सबसे अधिक संतुष्ट थे, जबकि वेतन और लाभ तथा पदोन्नति के अवसर सबसे कम संतुष्टि के आयाम थे।

टी-टेस्ट के परिणामों ने पदोन्नति के अवसरों के संबंध में महिला और पुरुष संकाय सदस्यों के बीच महत्वपूर्ण अंतर दिखाया, जहां पुरुष संकाय सदस्य अधिक संतुष्ट थे। समग्र कार्य संतुष्टि में लिंग के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

एनोवा के परिणामों से पता चला कि वेतन और लाभ, पदोन्नति के अवसर और समग्र कार्य संतुष्टि के संबंध में संस्थान के प्रकार के आधार पर महत्वपूर्ण अंतर थे। निजी महाविद्यालयों के संकाय सदस्य सरकारी और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की तुलना में इन आयामों में कम संतुष्ट पाए गए।

संक्षेप में, यह अध्ययन पुष्टि करता है कि ऑनलाइन सर्वेक्षण विधि संकाय सदस्यों की कार्य संतुष्टि को मापने के लिए एक विश्वसनीय और वैध कार्य प्रणाली है, जो शोधकर्ताओं को दक्षता और पहुंच के साथ मूल्यवान आंकड़ों का एकत्र करने में सक्षम बनाती है। यह विधि शैक्षिक अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य कर सकती है, जिससे नीति निर्माताओं और प्रशासकों को संकाय सदस्यों के कल्याण और संस्थागत प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सूचित निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

### संदर्भ

- Chawla, S., & Mishra, A. (2018) Online Survey as a Research Tool in Education: Opportunities and Challenges. *Journal of Educational Research and Practice*, 5(2), 112-125.
- Cooper, H., & Rosenberg, R. S. (1999) *Online Surveys in Social Research*. Sage Publications.
- DeLong, J., & Coleman, M. (2018) Assessing the Reliability and Validity of Online Survey Data. *Journal of Research in Education*, 27(1), 45-58.
- Jacobsen, J. (2007) *Online Data Collection*. Sage Publications.
- Jackson, L. T., & Watson, K. (2015) Principals' Job Satisfaction: A Review of the Literature. *Educational Management and Leadership Review*, 10(1), 78-92.
- Jones, R., & Smith, M. (2014) Factors Affecting Job Satisfaction in Academic Leadership Roles. *Higher Education Journal*, 39(4), 312-325.
- Khan, S., & Gupta, A. (2019) Gender Differences in Job Satisfaction among Educational Leaders. *Journal of Educational Psychology*, 8(3), 210-225.
- Lee, J., & Wong, P. (2016) Using Online Surveys to Measure Job Satisfaction in Professional Settings. *Journal of Applied Psychology and Behavioral Science*, 15(1), 56-70.
- Ramesh, V., & Nair, S. (2018) A Study on the Efficacy of Online Survey Tools in Educational Research. *International Journal of Education and Research*, 6(5), 89-102.

- Singh, R., & Sharma, D. (2017) A Comparative Study of Job Satisfaction among Principals of Government and Private Colleges in India. *International Journal of Educational Research and Development*, 6(3), 101-115.
- Taylor, L., & Brown, S. (2020) The Impact of Survey Mode on Response Rates and Data Quality. *Journal of Survey Methodology*, 45(2), 180-195.
- Verma, P., & Dubey, A. (2021) Technological Acceptance and Digital Literacy among College Principals. *Indian Journal of Higher Education*, 12(1), 67-78.